सोशल मिडिया के माध्यम से जुड़कर देखे सेवा
1.जोधपुर शाखा वाट्सएप्प ग्रुप-8696946646
2.नागौर गौशाला वाट्सएप्प ग्रुप-9549272222
3.कामधेनु सेना वाट्सएप्प ग्रुप-9982274444
Facebook-विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर, Kamdhenu Sena, Twitter-@jodhpurgaushala, Instagram-Jodhpurgaushala से जुड़कर हमारी प्रतिदिन की सेवा भी आप देख सकते है।

www.gaulokmahatirth.com

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56670
Postal Reg.No. NGR/080 /2021-23

कामधेनु दर्शन

वर्ष-10 | अंक-7 | कुल पृष्ठ:4 | एक प्रति मूल्य:10 रू.
जोधपुर, सोमवार 1 अप्रैल, 2024 | वार्षिक शुल्क:100रू.

मासिक समाचार पत्रिका
सम्पादक - सुनील शर्मा (BCA)
सह सम्पादक-ओमप्रकाश चौहान (M.sc)

ऑपरेशन कर जीवित बछड़े को निकाला बाहर

1.

2.

3.

1.जसराज बेनिवाल (जाट) पुत्र आसुराम, सारण नगर, जोधपुर वालों ने एक निराश्रित गोमाता जो कि प्रसव पीड़ा से ग्रस्त थी उसे उच्च स्तरीय उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। 2.मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा ऑपरेशन करके स्वस्थ बछड़े को बाहर निकाला गया। 3.ऑपरेशन के पश्चात् आराम से खड़ी गोमाता व स्वस्थ बछड़ा। ज्ञात रहे गोमाता को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से जल्द ही स्वस्थ हो जायेगी।

पीड़ित गोवंश की सेवा देखने हेतु आते है श्रद्धालु

1.

2.

1.सुरसागर, जोधपुर से अध्यापको सहित महिला अभिभावकों (दादी-नानी) का आगमन हुआ। 2.जय श्री कृष्ण देव दर्शन, जोधपुर के सभी सदस्यों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 21 हजार रू. का सहयोग किया व पौष्टिक आहार बनवाया। गो चिकित्सालय के निरीक्षण कर्मचारी द्वारा आई.सी.यू. वार्ड, कैंसर वार्ड, आग व तेजाब से जले गोवंश वार्ड, सिजेरियन वार्ड, शरीर पीड़ित वार्ड, घायल बछड़ा वार्ड, मेडिकल रूम, एक्स-रे रूम, ऑपरेशन थियेटर, पक्षीघर की बारिकी से जानकारी दी। ज्ञात रहे गो चिकित्सालय में प्रतिदिन बड़े-बड़े राजनेता, विदेशी पर्यटक, विद्यालय के बालक-बालिका, श्रद्धालुगण आदि आते रहते है।

सतयुग हो या राम राज्य उस दौरान भी राक्षसी गुण वाले मनुष्यों का वास रहा, ऐसे चन्द मनुष्यों ने गो चिकित्सालय पर दाग लगाने के भरकस प्रयास किये लेकिन अब तक वह असफल ही रहे...

देवभूमि भारत के इतिहास में न पहले थी न वर्तमान में है ऐसी 18 एम्बुलेन्सों की सेवा-यही हमारा ऐतिहासिक कार्य

सूर्य उदय होते ही एम्बुलेन्स सेवा होती है चालू लावारिस दुर्घटनाग्रस्त व बीमार गोवंश की सूचना हेतु मोबाईल सेवा (फोन सेवा) सूर्य उदय से सूर्य अस्त तक रहती हैं, 18 एम्बुलेंसों की सेवा सूर्य उदय होते ही गो सेवार्थ पावन पुनित कार्य के लिए निकल जाती हैं एवं दिन में एम्बुलेंस कम पड़ने पर किराये का वाहन भेजकर विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय अपना दायित्व पूर्ण करता है। जो एम्बुलेंस दिन में दूसरी बार जाती हैं वह रात्रि तक पहुंचती है और रात्रि में ही उस बीमार गोवंश की चिकित्सा की जाती हैं, चिकित्सा सेवा 24 घण्टे विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय नागौर व जोधपुर शाखा में चालू रहती हैं।

अनुभवी चिकित्सकों के अथक प्रयासों तथा उच्च गुणवत्ता युक्त दवाईयों से उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में इंसानों की भांति होती है 24 घण्टे निरन्तर गो चिकित्सा सेवा

प्रसव पीड़ित गोमाता का ऑपरेशन कर गोमाता को दिया जीवनदान

जन जीवन कल्याण गौशाला से जोराराम पुनीया (जाट) पुत्र हरीराम, सालवा कल्लां, तह.भोपालगढ़, जोधपुर वालों ने अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में उपचार हेतु लेकर आये। गो चिकित्सालय में अनुभवी मेडिकल टीम ने ऑपरेशन करके मृत बछड़े को बाहर निकालकर गोमाता को जीवनदान दिया गया। ऑपेरशन के पश्चात् आराम करती हुई गोमाता। अन्य गौशालाओं के द्वारा बीमार, दुर्घटनाग्रस्त गोवंश उच्च स्तरीय उपचार के लिए विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लाये जाते है और स्वस्थ होने पर वापस लेकर जाते है।

कुत्तो द्वारा घायल बछड़ी का किया उपचार

देवलों की ढाणी, कंकाणी, तह.लूणी, जोधपुर में आवारा कुत्तों ने एक निराश्रित बछड़ी को नोच डाला और गले के ऊपर बहुत बड़ा घाव कर दिया सूचना मिलने पर गोभक्त जितेंद्र धुणीया (पटेल) पुत्र डलाराम ने उसको उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में बछड़ी का अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा उपचार किया गया। ज्ञात रहे बछड़ी को उच्च गुणवत्तायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से कुछही दिनों में मिलेगी अच्छी राहत।

रेक्टम में घाव से पीड़ित साण्ड का उपचार

एक निराश्रित साण्ड देवता जिसको महावीर लोढ़ा पुत्र गोतमचन्द, 9 मील, मण्डोर, जोधपुर वालों ने उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर पहुंचाया। यह साण्ड देवता मलाशय की समस्या से ग्रसित था, डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि इस साण्ड देवता के रेक्टम में घाव एवं सूजन थी साण्ड को गोबर करने में समस्या थी। गो चिकित्सालय में अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा साण्ड देवता का उपचार किया गया।

कैंसर से पीड़ित गोमाता का किया उपचार

ग्राम थोब, तह.औसियां, जिला जोधपुर से एक घरेलू गोमाता जिसका एक सींग खराब था उसको नरपतसिंह सेवड़ (राजपुरोहित) पुत्र मंगलसिंह ने उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। गो चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा ऑपरेशन किया गया। इस प्रकार विभिन्न बिमारियों से पीड़ित व दुर्घटनाग्रस्त अनेक गोवंश उपचार हेतु प्रतिदिन आते है।

एक्सीडेंट से घायल साण्ड का रात्रि में किया ईलाज

एक निराश्रित साण्ड जिसका एक्सीडेंट हो जाने से घायल था एवं गर्दन के ऊपर घाव हो गया उसको उपचार हेतु पदमाराम चोटिया (जाट) पुत्र भगाराम, ग्राम चांदरवा, तह.औसियां, जोधपुर वालों ने एम्बुलेंस द्वारा रात्रि में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर पहुंचाया। गो चिकित्सालय में रात्रिकालीन अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा साण्ड का उपचार करते हुए। उपचार के पश्चात् आराम से खड़ा साण्ड।

ट्रेन एक्सीडेंट से घायल बछड़ी का हुआ उपचार

मुकेश कालस (गुर्जर) पुत्र तुलछाराम, भगत की कोठी, जोधपुर वालों ने रेल्वे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से घायल एक घरेलू बछड़ी जिसके मूँह, पीठ और गर्दन के नीचे घाव होने से पीड़ित थी उसको उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा रात्रि में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। गो चिकित्सालय में बछड़ी का उपचार करती हुई रात्रिकालीन अनुभवी मेडिकल टीम। रात्रिकालीन में भी बीमार, दुर्घटनाग्रस्त गोवंश उच्च स्तरीय उपचार के लिए विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में आते रहते है।

कुत्तो के काटने से घायल बछड़ी का किया ईलाज

श्यामलाल जाणी (विश्नोई) पुत्र गुलाबराम, ग्राम पल्ली, तह.लोहावट, जोधपुर द्वारा एक घरेलू साण्ड जिसका पेनिस (लिंग) खराब (इन्फेक्शन) होने पर अपने निजी वाहन द्वारा उपचार हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। साण्ड का मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में ऑपरेशन करती हुई गो चिकित्सालय की अनुभवी मेडिकल टीम।

बछड़ी के गुदा मार्ग का किया ऑपरेशन

साजनराम काकड़ (विश्नोई) पुत्र जगुराम, ग्राम सामराऊ, तह.औसियां, जोधपुर वालों के एक घरेलू गोमाता ने एक बछड़ी को जन्म दिया जो कि एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन (गुदा मार्ग बन्द) और पेशाब नहीं आने से पीड़ित थी उसको उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा ऑपरेशन थियेटर में बछड़ी का ऑपरेशन किया गया।

बीमार खरगोश का मेडिकल टीम ने उपचार कर पहुंचाई राहत

गो चिकित्सालय में वन्यजीवों को वन्यजीव प्रेमी ही लेकर आते है इन घायल वन्यजीवों को कड़ी मेहनत व उच्च क्वालिटी की दवाईयाँ द्वारा उपचार किया जाता है व मानव बच्चों की तरह देखभाल की जाती है, पूर्णतया स्वस्थ होने के बाद इन वन्यजीवों को सविचरण हेतु छोड़ दिया जाता है। हेमराज पंवार (चोकीदार) पुत्र भवानी शंकर, सुरसागर, जोधपुर वालों ने अपने पालतु खरगोश जो कि बीमार होने की वजह से खाना-पीना नहीं कर रहा था उसको उपचार हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। 2. बीमार खरगोश का उपचार करती हुई गो चिकित्सालय की अनुभवी मेडिकल टीम।

इंसानों के विश्व स्तरीय चिकित्सालय भारत में सैकड़ों मिल जायेगें लेकिन गोवंश हितार्थ विश्व स्तरीय व राष्ट्रीय स्तरीय गो चिकित्सालय चार-पांच ही मिलेंगे कारण इन्हें संचालन करने में कठोर

प्रतिदिन 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन बांटा दिया जाता है

प्रतिदिन पीड़ाग्रस्त गोमाता को मौसम अनुसार पौष्टिक आहार स्वरूप 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन (आठ हजार किलो) बांटा (दलिया) पकाकर दिया जाता है। इसके अन्दर मिनरल पाउडर जिसके अन्दर कैल्शियम, कॉपर, कोबाल्ट, मैग्नेशियम, खनिज लवण व विटामिन होते है। जिसे गोवंश को वजन के अनुसार बांटे में डालकर खिलाया जाता है। जिससे गोवंश को मिनरल की कमी न हो और साथ ही गोवंश स्वस्थ व तन्दुरस्त रहे।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में गोभक्त बाबुलाल जी पुत्र श्री लाखाराम जी बिश्नोई, ग्राम मेघावा, पो. विरावा, तह. चितलवाना, जिला जालौर वालों ने अपने 49वें जन्मोत्सव पर पीड़ित, गोवंश हितार्थ 10 कढ़ाई दलिया बनवाया, 5 पीपा मूंगफली तेल एवं 1100 रूपये का हरा चारा (रिजगा) डलवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया, आप श्री भी ले प्रेरणा।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में पीड़ाग्रस्त गोवंश के हित को देखते हुए चिकित्सकों के सलाह के अनुसार उच्च क्वालिटी का चारा (ज्वार की कुतर, बाजरी की कुतर) ही दिया जाता है। इस चारे को चारा मशीन द्वारा छाणकर गोवंश को दिया जाता है इस दौरान छाणते वक्त कंकर या अन्य वस्तु को भी हटाया जाता है। चारा मशीन से जब चारा छाणा जाता है तो बिलकुल बारिक मिट्टी एवं गुदी अलग ही निकलती है यह मिट्टी व गुदी बीमार गोवंश के लिए नुकसान दायक रहती है।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में विशालतम् बांटा गोदाम 55X35 फिट बड़ा, जिसमें सैंकड़ों टन खाद्य सामग्री को रखा जाता है, ज्ञात रहे उसी अनुसार वापस बड़ी मात्रा में प्रतिदिन 8 टन (8 हजार किलो) 24 कढ़ाईयों में खाद्य सामग्री लगती है, यहाँ बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की हो रही चिकित्सा-सेवा से प्रभावित होकर अपने गाँव/शहर के गोभक्त मिलकर खल, गुड़, चुरी, जौ, लापसी हेतु गेहुं का बाट, बाजरी का दलिया, चापड़ इत्यादि गो खाद्य सामग्री भेजना चाहते है तो गो चिकित्सालय में सूचना करें ताकि किराये का वाहन भेज कर खाद्य सामग्री मंगवा ली जायेगी। **सम्पर्क– 8696946644**

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त बनवाते है पीड़ित गोवंश हितार्थ पौष्टिक आहार

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में निर्मला जी दैय्या पत्नी श्री शिवजी दैय्या, जोधपुर वाले ने अपनी सुपौत्री जीवा दैय्या, किर्ती दैय्या ने अपनी सुपुत्री गुरप्रीत के चौथा जन्मदिवस पर 4 कढ़ाई दलिया बनवाकर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया।

संकट मोचन बालाजी मन्दिर, खेमा कुआं द्वारा 1 कढ़ाई लापसी, शिवलालजी बोराणा-अनिताजी बोराणा, एम्स रोड़, जोधपुर द्वारा 1 कढ़ाई दलिया, लक्ष्मीनारायणजी बोराणा, एयरफोर्स, जोधपुर द्वारा 1 कढ़ाई दलिया बनवाया।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविधालय के (DMS) के छात्रों द्वारा 1 कढ़ाई दलिया बनवाया व 500 रू.का हरा चारा डलवाकर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया।

लेफ्टिनेट कर्नल विनोद कुमार जी भास्कर पुत्र स्व. राजेन्द्रजी जोधपुर वालों द्वारा 1 कढ़ाई लापसी बनवाई और 800रू.का हरा चारा डलवाया।

श्रीकिशनजी सांखला पुत्र श्री गैनारामजी माली, जोधपुर वालों ने 1 कढ़ाई दलिया बनवाया पश्चात् गो चिकित्सालय में परिक्रमा कर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में कमल कुमार जी कश्यप पुत्र श्री लालचन्द जी, जोधपुर वालों ने 2 कढ़ाई दलिया बनवाया।

गोभक्तों ने करवाया सातधान से तुलादान

1.नेहाजी सांखला साथ में मोक्षित धर्मपत्नी श्री मोहित जी सांखला, जोधपुर वालों द्वारा सातधान से तुलादान 2.नरेन्द्रजी पंवार (माली) एयरफोर्स एरिया, जोधपुर वालों ने बच्चे डिम्पल, वानी, श्री, हितांशु का सातधान से तुलादान। ज्ञात रहे हिन्दु धर्म ग्रंथों में गौमाता के लिए तुलादान करने के महत्व के बारे में बताया गया है। मनुष्य को अपने जीवन में एक बार तुलादान अवश्य करवाना चाहिए। इसके करने से मनुष्य के सभी ग्रह शांत होते है और मरणासन्न अवस्था में सुखपूर्वक एवं शीघ्र प्राण निकल जाएं, इस उद्देश्य से तुलादान करना चाहिए। तुलादान वही मान्य है जिसमें एक ओर व्यक्ति तराजु की तोल पर बैठता है और दूसरी ओर गौ खाद्य सामग्री, सिक्कें इत्यादि तोल पर रखे जाते है।

गोवंश हितार्थ मेडिकल दवाईयां की भेंट, हरा चारा से करवाया तुलादान

1.स्व.श्रीमती पतासी देवी धर्मपत्नी स्व.श्री सुरजारामजी देव, जोधपुर वालों की 7 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष में उनके सुपुत्र मुकेश देव ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 11 हजार रू. की मेडिकल दवाईयां भेंट की 2.गोपीकिशन जी सोनी, महामन्दिर, जोधपुर वालों ने अपने पुत्र कुणाल सोनी के 9वें जन्मदिवस पर हरा चारा से तुलादान करवाकर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया।

5000 कम्पाउण्डर तैयार कर राष्ट्र व गौमाता हेतु करेंगे समर्पित–महामण्डलेश्वर

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, ग्राम रलावास, जिला जोधपुर में चिकित्सा का प्रशिक्षण लेने हेतु आये डिप्लोमाधारी हुकमाराम देवासी पुत्र श्री मांगीलालजी, खिंवसर, जिला नागौर वालों ने 3 माह का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ से प्रशस्ति-पत्र प्राप्त करते हुए। ज्ञात रहे गो चिकित्सालय में कम्पाउण्डरों को बड़े से बड़े ऑपरेशन करना, एक्स-रे मशीन पर एक्स-रे करना, हाइड्रोलिक मशीन से गोवंश को एक स्थान से दुसरे स्थान पर ले जाना, विभिन्न प्रकार के चार्टों द्वारा अलग-अलग नस्लों के गोवंश की जानकारी प्राप्त करना, प्राथमिक चिकित्सा, अनुसंधान केन्द्र द्वारा गोवंश के अंगो की बारीकी से जानकारी प्राप्त करना, सुक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा रोगो की जाँच, ऑटोक्लेव मशीन द्वारा ऑपरेशन के औजारों को निःसंक्रमित करना, वेक्यूम मशीन द्वारा बछड़ों का श्लेष्म स्त्राव निकालना, गोवंश के रोगों की जाँच हेतु लेबोरेट्री सेम्पल भरना एवं कई कम्पाउण्डर नये- नये क्रियाकलाप करके चिकित्सा क्षेत्र में कई प्रकार के इतिहास रच रहे है, यह एक पंथ अनेक काज कर रहे है। 3 माह के प्रशिक्षण के अलावा यात्रियों को निरीक्षण करवाना, फॉर व्हीलर चलाना, कैमरा चलाना, विडियों सुटिंग, कम्प्यूटर, सत्संग के माध्यम से संस्कार देना इत्यादि कार्यों का प्रशिक्षण देकर इन कांच के टुकड़ों को बेशकिमती नगीना बनाया जाता है, तब इन बेशकिमती नगीनों को भारत की गौशालाएं 20 से 25 हजार रूपयें वेतन और सुविधाएं देती है, कुछ फिल्ड में कार्य कर 20 से 25 हजार रूपयें महीना कमा लेते है। अब तक तैयार हुए 2650 कम्पाउण्डर अपने गाँव/शहर में प्रतिदिन हजारों लावारिस, घरेलु व गौशालाओं के गोवंश की चिकित्सा सेवा कर रहे है। नोट-देश के गो चिकित्सालय या गौशाला में डिग्रीधारी पशु कम्पाउण्डर है, लेकिन समय पर पीड़ित गोवंश का उपचार नहीं करते हैं, ड्यूटी के समय नशा करते हैं, समय पर आते नहीं हैं, आप उनसे परेशान हो चुके है, तो आप अपने क्षेत्र में इन विदाई ले चुके कम्पाउण्डरों से सम्पर्क कर सकते है-हुकमाराम देवासी, मो.7340484992

संस्था का क्यू आर कोड स्केन कर गोदान कर सकते हैं

Scan here to pay

BHIM UPI Paytm MasterCard VISA

SHRI KRISHAN GOPAL GAU SEVA SAMITI

किसी भी स्मार्ट फोन की एप्लीकेशन जैसे-गुगलपे, फोन पे, पेटीएम से श्री कृष्ण गोपाल गो सेवा समिति का क्यू.आर.कोड स्केन करके आप गोवंश हितार्थ सहयोग कर पुण्य के भागी बने, ऑनलाईन सहयोग कर रसीद प्राप्ति हेतु सम्पर्क करे- 8696946644

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त करते है पीड़ित गोवंश हितार्थ अच्छा सहयोग

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में 1.श्री आनन्दसिंहजी गहलोत, जोधपुर वालों द्वारा मेडिकल दवाईयों के लिए 41 हजार रू. का नकद सहयोग 2.जयदेव जी चौधरी व रणजीत जी चौधरी(PARAT TECHNOLOGIES), बोरानाड़ा, जोधपुर वालो द्वारा 31 हजार रूपये का सहयोग 3.डॉ.सुखारामजी विश्नोई (प्रिंसीपल) पुत्र श्री बक्सारामजी, जोधपुर वालों द्वारा मेडिकल दवाईयों के लिए 21 हजार रू. का सहयोग 4.कमल लॉजीस्टिक वेदांत ट्रेड सेंटर वालिया, चौकड़ी, अंकलेश्वर (गुजरात) वालों द्वारा 21 हजार रू.का सहयोग किया। पश्चात् गो चिकित्सालय में परिक्रमा कर घर में सुख,शांति,समृद्धि व लक्ष्मी की वृद्धि हेतु कामना की।

भारत में ऐसी बड़े स्तर पर अद्भुत सेवाएं अन्यत्र कहीं नही

1. विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लावारिस दुर्घनाग्रस्त गोवंश को लाने हेतु 18 पशु एम्बुलेन्स की व्यवस्था की गई है। 2. जिस स्थान से दुर्घटनाग्रस्त गोवंश लाये जाते हैं स्वस्थ होने के पश्चात् गोवंश को पुनः उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है। 3. मालिक अपने घरेलु बीमार गोवंश लेकर आता है तो उनको एक बीमार गोवंश के बदले में एक स्वस्थ गोवंश वापस दिया जाता है अगर वो स्वस्थ गोवंश नही लेते है तो उन्हे 3500 रू. की रसीद कटवानी पड़ेगी।4. गौशालाओं से एक बीमार गोवंश लेकर आते है तो उनको भी एक बीमार के बदले में एक स्वस्थ गोवंश दिया जाता है।5. निजी वाहन एवं पुलिस प्रशासन के वाहन द्वारा आते हैं, ऐसे वन्य जीवों को लिया जाता है।6. वन्य जीवों को स्वस्थ होने पर गो चिकित्सालय वन विभाग को सुपुर्द कर देता है।7. गो चिकित्सालय में स्वस्थ गोवंश एवं दूध देने वाली गायों को नहीं रखा जाता और ना ही लिया जाता है। 8. जो स्थान एम्बुलेंस क्षेत्र की परिधि से बाहर है, ऐसे स्थान पर लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया हो, तो वहां के संस्था से जुड़े दानपात्र सदस्य किराये का वाहन कर घायल गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, वाहन किराया में कुछ राशि कम रहती है उस राशि का भुगतान गो चिकित्सालय द्वारा कर दिया जायेगा। 9.रात्रि में कोई लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया है,जो संस्था से जुड़े हुए है वह किराये का वाहन कर दुर्घटनाग्रस्त गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, किराये में कुछ राशि कम रहती है, तो उस राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

गोभक्त अपनी नेक कमाई में से पीड़ाग्रस्त गोवंश हेतु प्रतिदिन श्रद्धानुसार गो दान कर अपने धन की शुद्धिकरण करना चाहते है तो उनसे निवेदन है कि आप अपने प्रतिष्ठान एवं घर पर स्टील का दान पात्र व बड़े प्रतिष्ठान पर वी.आई.पी.दानपात्र लगवा सकते है। इस गोदान से मरते हुए गोवंश को नया जीवन दान मिलता है तो उस गोवंश के जितने रोम होते है उतने वर्षों तक दानदाता स्वर्ग की प्राप्ति करता है दानपात्र लगवाने हेतु सम्पर्क करें- **8696946698**

श्रीकृष्ण गोपाल गोसेवा समिति

(विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय)

जोधपुर रोड़, नागौर (राज.)

शाखा :जयपुर-पाली बाईपास ग्राम रलावास (जोधपुर)

www.gaulokmahatirth.com e-mail : jd.shrikrishangausevasimiti@gmail.com

एम्बुलेन्स नं.- 8696943714 गौ दान पात्र नं.- 8696946698

सहयोग के प्रकार–1.एक बीघा जमीन का भाव-2600000 रूपयें, 2. बड़ा चारा गोदाम-1200000 रू., 3. बीमार गोवंश की दवाईयां प्रतिमाह- 900000 रू., एक दिन की दवाईयां-30000 रू., 4. एक माह का पौष्टिक आहार-750000 रू., एक दिन का- 25000 रूपयें, एक कड़ाई दलिया (पौष्टिक आहार)-2100/- रू. 5. एक दिन की लापसी-51000 रू. एक कड़ाई लापसी-5100/- रू., 6.ट्रेक्टर-650000 रू., 7. पशु एम्बुलेन्स (थुलेरो माईक्रो हाईब्रेड)-700000 रू., 8.विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय का एक दिन का खर्च पाँच लाख रू., 9. बांटा स्थली टीन शेड (18 X 90) -2,25000/-रू., 10. साधु, साध्वियों, यात्रियों हेतु कमरा (20x14)-2,25,000/-11. घायल वन्यजीवों हेतु लोहे का पिंजरा-40,000/ रूपयें, 12. एक घायल गौमाता का ऑपरेशन+चिकित्सा -25,000/- रू., 13. एक गौमाता की चिकित्सा - 11000 रू. 14.गौमाता हेतु एक दिन का सुखा चारा-31,000/-रू. 15.गौमाता हेतु एक दिन का हरा चारा -21000 /- रू. 16.अनाथ बछड़े हेतु झूला-75000/-रू. 17.गौमाता हेतु अंडरग्राउण्ड रैम्प-35,000/-रू. 18.गौमाता हेतु एक सीमेंट की ठाण-30000/-रू. 19.गौमाता हेतु पानी की खेली-21000/-रू.

Shri Krishan Gopal Gau Seva Samiti, Jodhpur
ICICI A/c No. 683001700585, Ifsc Code. ICIC0006830
SBI A/c No. 41515647040, Ifsc Code. SBIN0051092
SHREE KRISHANA GOPAL GOUSEVA SAMITI, NAGAUR
AXIS A/c No. 912010003522032, IFSC Code -UTIB0001384
SBI A/c No. 61063361017, IFSC Code - SBIN0031528
UNION A/c No. 592401010050102, IFSC Code-UBIN0559245

भारत का दूसरा बड़ा गो चिकित्सालय गुजरात में, तीसरा बड़ा जोधपुर में, चौथा बड़ा महाराष्ट्र में लेकिन एम्बुलेन्स इनके पास दो या तीन ही है कारण एम्बुलेन्स व्यवस्था चलाना अत्यन्त कठिन है...

स्वामी एवं प्रकाशक अर्जुनसिंह राठौड़ के लिए मुद्रक गिरधारीराम द्वारा चौधरी प्रिंटर्स, किले की ढाल,नागौर से मुद्रित एवं मासिक हिन्दी समाचार-पत्र कामधेनु दर्शन, श्रीकृष्ण गोपाल गो सेवा समिति,एन.एच. 62, जोधपुर रोड़ नागौर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-अर्जुनसिंह राठौड